क्रिकेट का अंत और राजनीति शुरु

2008 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नागपुर में उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट मैच खेला। इसके बाद वह क्रिकेट असोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) के अध्यक्ष बने, जबकि फिलहाल बीसीसीआई के अध्यक्ष हैं।

49 के हुए रॉयल बंगाल टाइगर सौरव गांगुली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। बृहस्पतिवार को भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और मौजूदा बीसीसीआई प्रमुख सौरव गांगुली का 49वां जन्मदिन था। प्रिंस ऑफ कोलकाता और रॉयल बंगाल टाइगर के नाम से मशहूर सौरभ गांगुली ने अपने करियर में कई उपलब्धियां हासिल कीं। गांगुली की कप्तानी और बल्लेबाजी स्टाइल को आज भी याद किया जाता है। भारतीय क्रिकेट को नई पहचान दिलाने में गांगुली की अहम भूमिका है। गांगुली ने 1996 में लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर शानदार सेंचुरी से अपने करियर की शुरुआत की। विदेशी जमीन पर उनकी कप्तानी में भारत ने 28 टेस्ट मैच खेले, जिसमें से 11 में जीत हासिल की। 113 टेस्ट मैचों में गांगुली ने 7212 और 311 वनडे खेलने के बाद उन्होंने 11363 रन रन बनाए। भारत की ओर से वर्ल्ड कप में सबसे बड़ा स्कोर 183 उनके नाम है। गांगुली ने वनडे में कुल 22 शतक लगाए, जिसमें से 18 शतक उन्होंने भारत के बाहर लगाए। जब वह कप्तानी से रिटायर हुए तो भारत दूसरे पायदान पर था।

ओलिंपिक खत्म होने तक नहीं मिलेगी बाहरी को एंट्री

ओलिंपिक

तोक्यो में कोरोना के बढ़ते मामलों की वजह से हुआ ये फैसला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तोक्यो। ओलिंपिक के दौरान कोरोना संक्रमण दर बढ़ने की आशंका से जापान खेलों के समापन तक कोरोना आपातकाल की घोषणा की गई है। जापान सरकार ने इसका ऐलान गुरुवार को किया। विशेषज्ञों के साथ गुरुवार की सुबह हुई बैठक में सरकारी अधिकारियों ने अगले सोमवार से 22 अगस्त तक जापान में आपातकाल लागू करने का प्रस्ताव रखा था।

महामारी के कारण एक साल टल चुके ओलिंपिक 23 जुलाई से आठ अगस्त तक होने हैं। खेलों के दौरान विदेशी दर्शकों को प्रवेश नहीं मिलेगा और छह सप्ताह के आपातकाल से स्थानीय दर्शकों को अनुमति देने की संभावना भी लगभग खत्म हो गई है। जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने कहा कि देश में भविष्य में संक्रमण के मामले फिर से न बढ़ें, इसके लिए

आपात स्थिति लागू करना जरूरी है। तोक्यो के हानेदा हवाईअड्डे पर कैमरों सें बचते हुए बाक आईओसी के मुख्यालय पहुंचे जो शहर के बीचोंबीच स्थित पांच सितारा होटल में बनाया गया है। बताया जाता है कि उन्हें तीन दिन के लिए क्वारंटीन में रहना होगा। आईओसी और स्थानीय आयोजक जापान की जनता और चिकित्सा बिरादरी के बावजूद महामारी के दौरान खेलों के आयोजन का प्रयास कर रहे हैं। आपात स्थिति में मुख्य रूप से ध्यान शराब परोसने वाले बार और रेस्तराओं को बंद करने की अपील पर है। यह शराब परोसने पर पाबंदी ओलिंपिक संबंधी गतिविधियों को सीमित करने की ओर एक कदम है।

तोक्यो के निवासियों से घरों में रहने और घर से टीवी पर ही ओलिंपिक देखने को कहा जा सकता है। स्वास्थ्य मंत्री नोरिहिसा तामुरा ने कहा, 'मुख्य मुद्दा यह है कि लोगों को ओलंपिक का आनंद उठाते हुए शराब पीने के लिए बाहर जाने से कैसे रोका जाए।' तोक्यो में बुधवार को 920 नए मामले आए हैं जबकि पिछले सप्ताह यह संख्या 714 थी। दर्शकों के प्रवेश को लेकर फैसला शुक्रवार को होगा जब स्थानीय आयोजकों की अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति और अन्य प्रतिनिधियों से मुलाकात होनी है। तोक्यो में इस समय बेहद कड़े प्रोटोकॉल लागू नहीं है और बार तथा रेस्त्रां के खुलने का समय घटाने से भी कोरोना संक्रमण रूका नहीं है।

पोलैंड के हुबर्ट हुरकाज ने रोजर फेडरर को क्वॉर्टर फाइनल में हराया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

विंबलडन। 'ग्रासकोर्ट के बादशाह' रोजर फेडरर जब ऑल इंग्लैंड क्लब पर क्वॉर्टर फाइनल मुकाबला खेलने उतरे तो उनका सपना 21वां ग्रैंड स्लैम जीतने के और भी करीब पहुंचना था, लेकिन उनकी पोलैंड के हुबर्ट हुरकाज के खिलाफ हैरान करने वाली हार हुई। हार के बाद एतिहासिक ऑल इंग्लैंड क्लब पर दर्शकों का अभिवादन विदाई जैसा लग रहा था और आठ बार के चौंपियन इस महान खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि उन्हें पता नहीं है कि वह अगला विंबलडन खेल सकेंगे या नहीं।

आखिर कौन हैं हुबर्ट हुरकाज? हुबर्ट हुरकाज ऐथलेटिक फैमिली से आते हैं। उनकी मां जोफिया

विंबलडन में इसके साथ ही महान फेडरर का सफर खत्म हो गया

मालिस्जेवस्का हुरकाज पोलैंड में एक जूनियर टेनिस चैंपियन थीं। उनके दोनों चाचा टेनिस खिलाड़ी थे और उनके दादा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वॉलीबॉल खिलाड़ी थे। रोचक बात यह है कि हुरकाज की छोटी बहन निका भी टेनिस खिलाड़ी हैं। इस तरह देखा जाए तो उनके अंदर टेनिस प्रेम फैमिली गिफ्ट है।

अपने हीरो फेडरर को देखते बड़े हुए: उन्होंने 5 साल की उम्र में टेनिस खेलना शुरू किया था। टीवी पर रोजर फेडर को देखते हुए उन्हें पेशेवर टेनिस में दिलचस्पी हो गई। शुरुआती वर्षों में उन्हें फिलिप कंजुला ने टेनिस का ककहरा सीखाया। उन्होंने 2019 में क्रेग बॉयटन के साथ करियर को आगे बढ़ाया, जिन्होंने जॉन इस्नर और सैम क्वेरे को भी कोचिंग दी है। इस तरह वह फेडरर को हराकर पहली बार वह ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं।

ऐसा करने वाले पहले पोलिश टेनिस स्टार: वह एटीपी मास्टर्स 1000 एकल खिताब जीतने वाले पहले पोलिश खिलाड़ी हैं जो उन्होंने इस साल की शुरुआत में मियामी ओपन में जीता था। कुल मिलाकर, उन्होंने तीन एटीपी एकल खिताब जीते हैं, जिनमें डेलरे बीच (2021) और विंस्टन–सलेम (2019) शामिल हैं। यही नहीं, उन्होंने दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास को हराया है।

टेस्ट में ओपनर से मध्यक्रम बल्लेबाज बना डाला, आकाश चोपड़ा हुए हैरान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले शुभमन गिल चोटिल हो गए और इसके बाद वो इस टेस्ट सीरीज से बाहर भी हो गए। गिल के बाहर होने के बाद रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने का पहला विकल्प मयंक अग्रवाल ही हैं। मयंक का बतौर ओपनर काफी अच्छा रिकॉर्ड है और उन्होंने अब तक दो दोहरे शतक के साथ 1005 रन बनाए हैं। हालांकि पिछले कुछ टेस्ट मैचों में उन्हें बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिला है, लेकिन वो इस वक्त टीम इंडिया के कुछ बेहतरीन ओपनर्स में से एक हैं। मयंक अग्रवाल के अलावा टीम इंडिया के पास केएल राहुल को भी आजमाने का विकल्प है, लेकिन टीम इंडिया के पूर्व ओपनर बल्लेबाज आकाश चोपड़ा को लगता है कि, ऐसा नहीं होगा। यही नहीं उन्होंने टीम मैनेजमेंट के उस फैसले पर भी आश्चर्य जाहिर किया जिसमें कहा गया है कि, वो केएल राहुल को मध्यक्रम के बल्लेबाज के रूप में देख रहे हैं। मैनेजमेंट के इस फैसले पर आकाश चोपड़ा हैरान हैं क्योंकि केएल राहुल ने टेस्ट क्रिकेट में ज्यादातर ओपनिंग की है।

न्यूज डायरी

278 गेंदों पर 37 रन बनाकर मैच करा दिया ड्रॉ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज हाशिम अमला इन दिनों काउंटी क्रिकेट में खेलते हुए नजर आ रहे हैं। हाशिम अमला अपनी धैर्यभरी बल्लेबाजी के लिए खूब जाने जाते हैं और इसका नजारा काउंटी क्रिकेट में भी देखने मिला। उन्होंने काउंटी क्रिकेट में सरे के लिए बेहद धीमी पारी खेलते हुए 278 गेंदों पर 38 रन बनाए। उनकी ये पारी बेशक बेहद धीमी थी, लेकिन इसके दम पर उन्होंने हैंपशर के खिलाफ मैच को ड्रॉ करा दिया। हाशिम अमला पूरे दिन बल्लेबाजी करते रह गए और अपनी टीम के लिए मैच को बचा लिया। इस मैच में सरे के खिलाफ हैंपशर ने पहली पारी में 488 रन बनाए थे। हैंपशर के बल्लेबाज कालिन डी ग्रैंडहोम ने 213 गेंदों का सामना करते हुए 3 छक्के और 17 चौके की मदद से 174 रन की शानदार पारी खेली। इसके जवाब में सरे की पहली पारी सिर्फ 72 रनों पर ही सिमट गई थी।

लक्ष्मण ने श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए चुनी भारतीय टीम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। शिखर धवन की कप्तानी में श्रीलंका के खिलाफ तीन–तीन मैचों की वनडे व टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम पूरी तरह से तैयार है। दोनों देशों के बीच पहले तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी जिसकी शुरुआत 13 जुलाई से होगी। इस दौरे पर शिखर धवन जहां भारतीय टीम के पहली बार कप्तान बनाए गए हैं तो वहीं राहुल द्रविड़ बतौर भारतीय कोच पहली बार किसी दौरे पर गए हैं। इसके अलावा जो टीम श्रीलंका गई है उसमें छह ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने अब तक भारत के लिए डेब्यू नहीं किया है। हालांकि टीम में कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने भारत के लिए एक प्रारूप में डेब्यू किया है, लेकिन दूसरे प्रारूप में डेब्यू का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे खिलाड़ियों में पृथ्वी शॉ, सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन व इशान किशन शामिल हैं। लक्ष्मण ने अपनी टीम में ओपनर के तौर पर शिखर धवन और पृथ्वी शॉ को शामिल किया है।

क्या सीएसके के लिए आईपीएल में खेलते रहेंगे एमएस धौनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने भले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना जलवा बिखेरना बंद कर दिया हो, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स के लिए इंडियन प्रीमियर लीग यानी आइपीएल में वे खेलते रहेंगे। आइपीएल में उनके दिन अभी खत्म नहीं हुए हैं। अगस्त 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके एमएस धौनी चेन्नई सुपर किंग्स फ्रेंचाइजी के लिए खेलते रहेंगे। इस बात का खुलासा सीएसके के सीईओ ने किया है, जो एक या दो साल और कप्तान धौनी को लिए खेलते हुए देखते हैं। धौनी, जिन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2020 संस्करण में सीएसके के आखिरी गेम में पुष्टि की कि यह निश्चित रूप से आइपीएल में उनका आखिरी गेम नहीं था, उन्होंने सीएसके के लिए आइपीएल 2021 में भी भाग लिया, लेकिन कोरोना के कारण टूर्नामेंट स्थगित करना पड़ा। इससे पहले सात मैचों में सीएसके को पांच मैचों में जीत मिली थी।

रोहित शर्मा 2019 वर्ल्ड कप जैसा प्रदर्शन करें तो हैरान मत होना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने एक बार फिर सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की तारीफ की है। गावस्कर को उम्मीद है कि हिटमैन रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलाफ चार अगस्त से शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2019 में किए गए अपने वनडे विश्व कप के प्रदर्शन दोहराएंगे। डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहली बार इंग्लैंड में एक टेस्ट मैच में भारत के लिए ओपनिंग करने वाले रोहित शर्मा ने 2019 में इंग्लैंड में एकदिवसीय विश्व कप में किसी भी बल्लेबाज द्वारा विश्व कप के एक संस्करण में सर्वाधिक पांच शतकों का विश्व रिकॉर्ड बनाया था।